राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 32.2°C न्यूनतम 24.4°C

नागपुर, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

नागपुर में व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

राष्ट्रबाण

नागपुर. शहर के बेझनबाग क्षेत्र में दिनदहाड़े एक व्यवसायी को गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक रंजीत दीपानी (42), नागपुर के एक जाने-माने व्यवसायी थे. घटना के समय वे अपने दुकान के पास खड़े थे, तभी अज्ञात हमलावर ने उन पर ताबड़तोड़ गोली चला दी और 5 लाख नकदी लूटकर फरार हो गया. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. मृतक को तत्काल नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना पूर्व नियोजित लूट का हिस्सा लग रही है. इस हत्या ने नागपुरवासियों में भय का माहौल बना दिया है. व्यापारियों ने सुरक्षा में कमी को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है. उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ती हिंसा और अपराधिक घटनाओं के बावजूद प्रशासन प्रभावी कदम नहीं उठा रहा. व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने कहा, "हम अपने व्यापारिक क्षेत्र में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे. हर दिन कोई न कोई घटना सामने आ रही है. प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए."

पुलिस कमिश्नर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तेज कार्रवाई का आश्वासन दिया है. कहा गया कि आरोपियों की तलाश में पुलिस विभिन्न सुरागों पर काम कर रही है. CCTV फुटेज, गवाहों के बयानों और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही गई. यह घटना नगर निगम और पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रही है. नागरिकों ने भी सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की है ताकि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं भविष्य में न घटें.

-शांतनु अग्रवाल

धनी किसान, दिवालिया कंपनी प्रमोटर और संवैधानिक पदधारकों के भत्तों पर उठ रहे सवाल

कराधान में ऐसी असमानता क्यों ?

आम नागरिकों पर वित्तीय अत्याचार जारी

क्या सिर्फ मध्यम वर्ग ही आर्थिक बोझ उठाए?

राष्ट्रबाण

नागपुर. देश में आयकर वसूली व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं. देखा जा रहा है कि अधिकांश करदाता केवल वेतनभोगी नागरिक ही हैं, जबकि अत्यधिक आय वाले किसान, उद्योगपति, दिवालिया कंपनियों के प्रमोटर व संवैधानिक पदाधिकारी अनेक ऐसे विशेषाधिकार प्राप्त कर बैठे हैं, जो आम करदाता की तुलना में असमान हैं. विशेष रूप से यह सवाल उठता है कि भारत में 12 लाख से अधिक आय वाले धनी किसान पर आयकर क्यों नहीं लगाया जाता, जबकि अन्य वर्गों से यह वसूली नियमित रूप से की जाती है. इसके साथ ही, व्यावसायिक आय को कृषि आय के रूप में दिखाकर कर बचाने का घोटाला तेजी से फैल रहा है. इससे कर चोरी को बढ़ावा मिल रहा है और सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है. वहीं, दिवालिया कंपनियों के प्रमोटर IBC प्रक्रिया के माध्यम से 15 लाख करोड़ से अधिक की राशि औने-पौने दामों पर बेचना जारी रखे हुए हैं. इस वसूली का कोई ठोस परिणाम नहीं निकल रहा है. यह धन अधिकांशतः सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से आता है, जो सीधे ईमानदार नागरिकों की जमा पूंजी होती है. एक और गंभीर सवाल यह भी है कि संवैधानिक पदाधिकारी जैसे सांसद, विधायक, न्यायाधीश को भारी पेंशन, भत्ते और आजीवन चिकित्सा सुविधा क्यों दी जाती है. जबकि देश के मध्यम वर्ग को करों के जंजाल में फंसा कर जीने पर मजबूर किया जा रहा है. इसी तरह सरकारी कर्मचारियों और कुछ अन्य लोगों को मुफ़्त चिकित्सा सुविधा के साथ आजीवन पेंशन क्यों मिलती है? सांसदों व विधायकों को संवैधानिक पद पर रहते हुए आजीवन पेंशन व भत्तों का विशेषाधिकार मिला हुआ है, जो आर्थिक विषमता को और गहरा करता है. इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दलों के लिए व्यवसायियों से ली जाने वाली कानूनी और गैरकानूनी फंडिंग पर भी बहस हो रही है. यह फंडिंग अक्सर भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा तक पहुंच जाती है और लोकतंत्र की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है. विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इसी तरह से असमान कर वसूली व विशेषाधिकार जारी रहेगा, तो आने वाले समय में सामाजिक असंतोष बढ़ता जाएगा. आम जनता के संघर्ष व आर्थिक बोझ को लेकर सवाल उठते रहेंगे.

इस मुद्दे पर ध्यान देने की सख्त आवश्यकता है. सरकार को चाहिए कि वह कर व्यवस्था में व्यापक सुधार लाकर सभी वर्गों पर समान रूप से कर वसूल करे. साथ ही संवैधानिक पदधारकों व धनी किसानों पर उचित कराधान व्यवस्था लागू की जाए ताकि देश की आर्थिक न्याय व्यवस्था संतुलित बन सके. ईमानदार करदाता एवं मध्यम वर्ग को इस असमानता का खामियाजा और नहीं भुगतना चाहिए. देशहित में समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जाने की मांग लगातार उठ रही है.

फास्ट ट्रैक

सिद्धार्थ उके कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए

नागपुर. अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष, सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में शहर में कांग्रेस पार्टी के संगठन को मज़बूत करने के लिए पार्टी ने ईमानदारी से काम किया है. कार्यकर्ताओं को पार्टी द्वारा दिए गए आदेशों और कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुँचाने के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए. साथ ही, नागपुर के प्रभाव के अनुसार समितियों और कार्यकारिणी का गठन भी किया जाना चाहिए. राहुल मोरे ने सिद्धार्थ उके और अशोक पाटिल को आधिकारिक पत्र देकर उनका चयन किया और उन्हें बधाई और अभिनंदन भी किया. मानवाधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल मोरे ने यह जानकारी दी.

गायधने डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

नागपुर. पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा 27 जुलाई को नई दिल्ली के पाँच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित दीक्षांत समारोह में धीरज राजू गायधने को डॉक्टरेट (विद्या वाचस्पति) की उपाधि से सम्मानित किया गया. उन्हें यह सम्मान अध्यात्म और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए दिया गया. समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. अरविंद कुमार थे, डॉ. स्वर्णलता पांचाल, ऋतु तिवारी और अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु श्री हरि भाई आर्यन भी उपस्थित थे. धीरज राजू गायधने ने इस सम्मान का श्रेय अपने गुरुजनों, परिवारजनों और सहकर्मियों को दिया.

आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की सतर्कता से बची बच्ची की जान

तलवार की नोक पर 15 वर्षीय नाबालिग का अपहरण

विनयभंग और पॉक्सो अधिनियम के तहत किया गया मामला दर्ज

राष्ट्रबाण

नागपुर. शहर के गणेशपेठ थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. यहाँ एक 18 वर्षीय युवक ने आधी रात को एक घर में घुसकर 15 वर्षीय नाबालिग लड़की का तलवार की नोक पर अपहरण कर लिया. हालांकि पुलिस की सतर्कता और तुरंत एक्शन की वजह से आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बच्ची को भी सुरक्षित छुड़वाया गया है. आरोपी अमित मनोज सोनटक्के है जिसका नाबालिग से पहले का परिचय था. कुछ समय पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद लड़की ने आरोपी के खिलाफ प्रताप नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने यह कदम उठाया. 10 सितंबर की रात करीब 2 बजे, आरोपी अमित तलवार लेकर लड़की के घर पहुँचा. उसने दरवाजा खटखटाया और जब लड़की की 64 वर्षीय दादी ने दरवाजा खोला, तो आरोपी ने उन्हें तलवार दिखाकर धमकाया और जबरन घर में घुस गया. उसने सो रही नाबालिग को उठाया और उससे शादी करने की जिद की. विरोध करने पर आरोपी ने लड़की का गला दबाया और तलवार गले पर रखकर जान से मारने की धमकी दी. इसके बाद वह उसे जबरन अपने साथ ले गया. पीड़िता की दादी की शिकायत पर गणेशपेठ थाने में मामला दर्ज किया गया. पुलिस ने अपहरण, घर में घुसपैठ, धमकी, विनयभंग और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी अमित सोनटक्के को हिरासत में ले लिया है. आगे की जाँच जारी है.

विदर्भ के विकास को गति!

रिलायंस नागपुर में बनाएगा फूड पार्क

राष्ट्रबाण

अडानी समूह करेगा 70,000 करोड़ का निवेश

नागपुर. विदर्भ और खासकर नागपुर जिले के विकास को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई. इस बैठक में अडानी समूह और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने विदर्भ में बड़े निवेश की घोषणा की है. इस निवेश से क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है. मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अडानी समूह विदर्भ में 70,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा.

हालांकि, यह निवेश किस क्षेत्र में होगा, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है.

इसी तरह, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी नागपुर जिले के काटोल में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से एक फूड पार्क बनाने की घोषणा की है. इस फूड पार्क से कृषि क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे किसानों की उपज को उचित बाजार मिलेगा. मुख्यमंत्री फडणवीस ने विश्वास जताया कि इन निवेशों से विदर्भ में औद्योगिक माहौल बनेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे.

मंत्रालय में फर्जी नौकरी घोटाला हुआ उजागर

लॉरेन्स हेन्री समेत 6 आरोपियों पर आरोप

नागपुर के आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र के एक मंत्रालय में फर्जी नौकरी देने का बड़ा घोटाला सामने आया है. नागपुर पुलिस ने इस मामले में लॉरेन्स हेन्री (45), निवासी महालगीनगर, नागपुर को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि उसने बेरोजगारों को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए ऐंठे. पुलिस जांच में सामने आया कि लॉरेन्स हेन्री और उसके सहयोगियों ने मंत्रालय में जूनियर क्लर्क की फर्जी भर्ती कराने का झांसा देकर बेरोजगारों से मोटी रकम ली. तक्रारकर्ता राहुल तायडे ने बताया कि उन्हें फर्जी तरीके से मंत्रालय में प्रवेश दिलवाने के लिए JJ अस्पताल में बनावटी मेडिकल जांच कराई गई. इसके बाद एक फर्जी नामप्लेट लगाकर मंत्रालय के एक कमरे में बनावटी इंटरव्यू भी लिया गया. जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि सचिन डोलस नाम का एक व्यक्ति, जो मंत्रालय में शिपाई के पद पर कार्यरत था, इस फर्जी भर्ती घोटाले में शामिल था. इस मामले में कुल 6 आरोपी हैं, जिनमें से एक को पुलिस ने अब तक गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकियों की तलाश जारी है.पुलिस ने बताया कि यह फर्जी भर्ती गिरोह कई महीनों से बेरोजगार युवकों को ठग रहा था. जांच अधिकारी ने कहा कि सभी आरोपी जल्द गिरफ्तारी के घेरे में आ जाएंगे. साथ ही सभी प्रभावित लोगों को न्याय दिलवाने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं. इस घोटाले से आम जनता में गुस्सा और नाराजगी है.

बचपन के खेल से ही मन को आनंद मिलता है

ममता पांडे ने किया संबोधन

राष्ट्रबाण

नागपुर. विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन, हिंदी मोर भवन सीताबर्डी नागपुर में संयोजक विजय कुमार तिवारी व सहसंयोजक हेमंत कुमार पांडे के नेतृत्व में 8 सितंबर को चौपाल उपक्रम के अंतर्गत मन की खुशी मेरी रुचि इस शीर्षक के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया. हेमलता मिश्रा मानवी ने सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ चर्चा सत्र का आरंभ किया.इस कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने अपने जीवन के अनुभव, उदाहरण व प्रसंग के माध्यम से चर्चा में भाग लिया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, ममता हेमंत कुमार पांडे सेवानिवृत्त शिक्षिका मनपा, नागपुर,आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित उपस्थित थे. कार्यक्रम के आरंभ संयोजक विजय तिवारी ने कार्यक्रम का उद्देश्य व प्रस्तावना दी. डॉ कृष्ण कुमार द्विवेदी, ने सम्मान चिन्ह व अंग वस्त्र देकर अतिथि का स्वागत किया.तत्पश्चात संयोजक ने कार्यक्रम की भूमिका बात कर सभी श्रोताओं का स्वागत किया. डॉक्टर कृष्ण कुमार, द्विवेदी,श्रीधीरज दुबे, मदन गोपाल बाजपेई, एडवोकेट जगत बाजपेई, पद्मदेव दुबे, हेमंत कुमार पांडे, अपने-अपने विचार व्यक्त किए.अंत में मुख्य अतिथि ममता हेमंत कुमार पांडे ने अपनी बचपन में खेले गए खेल, शरारतें, छोटी मोटी नोक झोंक से मिलने वाले आनंद के बारे में बहुत ही अनोखे तरीके से बताया. उन्होंने अपने शिक्षण जीवन में विद्यार्थियों के साथ बिताए हुए खेल, स्पर्धा, नृत्य, नाटक व अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का आनंद व जीते हुए पुरस्कार का खुशनुमा पल का चित्रण किया. उन्हें अनेक प्रकार के व्यंजन बनाना और मित्रों को, रिश्तेदारों को खिलाना इसमें उन्हें बहुत आनंद मिलता है, और इसके लिए वे हरदम तत्पर रहती है. कार्यक्रम के अंत में डॉ श्री कृष्ण कुमार द्विवेदी ने आभार प्रदर्शन किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर बच्चू पांडे,धीरज हरिशंकर दुबे व अन्य उपस्थित श्रोताओं ने अपना अमूल्य योगदान दिया.

सुविधा दिव्यांग सर्वेक्षण की रिपोर्ट नगर निगम को सौंपी गई

दिव्यांगजनों के UID कार्ड बनाने हेतु 'एसओपी' तैयार करें

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर नगर निगम द्वारा दिव्यांगजनों का समग्र डेटा एकत्र करने हेतु, नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से महात्मा गांधी सेवा संघ के माध्यम से आशा कार्यकर्ताओं द्वारा दिव्यांग सर्वेक्षण कराया गया. यह सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, और इसकी रिपोर्ट के अनुसार, नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने यूडीआईडी कार्ड से वंचित दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड बनाने हेतु तत्काल 'एसओपी' तैयार करने के निर्देश दिए. दिव्यांग सर्वेक्षण की रिपोर्ट महात्मा गांधी सेवा संघ द्वारा गुरुवार को नगर आयुक्त को सौंपी गई. इस अवसर पर अपर आयुक्त वसुमना पंत, अपर आयुक्त वैष्णवी बी., उपायुक्त डॉ. रंजना लाडे, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर उपस्थित थे. महात्मा गांधी सेवा संघ के विजय कान्हेकर ने मनपा आयुक्त को रिपोर्ट सौंपी. आयुक्त के सभाकक्ष में इस रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हुई. इस अवसर पर शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डीन डॉ. राज गजभिये, अधीक्षक डॉ. अविनाश गावंडे, डॉ. स्नेहल शंभरकर, इंदिरा गांधी शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधीक्षक डॉ. नितिन शेंडे, चिकित्सा अधिकारी डॉ. समता भटनागर, डागा अस्पताल के डॉ. एस.एन. खानम, सीआरसी नागपुर के निदेशक प्रफुल शिंदे, दिव्यांग समन्वयक अभिजीत राउत आदि उपस्थित थे. मनपा की आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से अप्रैल से जून 2025 तक सभी दस जोनों में 21 प्रकार की विकलांगताओं की पहचान के लिए विकलांगता सर्वेक्षण किया गया.

इसके अलावा आयुक्त ने योजना के अनुसार संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए ताकि दिव्यांगजनों को संजय गांधी पेंशन योजना और इस जैसी कई अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके. आयुक्त ने सामाजिक विकास विभाग को आधार कार्ड बनाने के लिए वंचित दिव्यांगजनों के नजदीकी आधार केंद्रों की जानकारी एसएमएस के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए. आयुक्त ने मतदाता कार्ड से वंचित दिव्यांगजनों के मतदाता कार्ड बनाने के लिए जिला कलेक्टर कार्यालय के साथ समन्वय करने की भी सलाह दी. सीआरसी के माध्यम से दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किए जाते हैं. नगर निगम सीआरसी को आवश्यक सहायता प्रदान करेगा ताकि शहर के दिव्यांगजन इस सामग्री का लाभ उठा सकें और इसके लिए बजट में प्रावधान भी किया जाएगा, ऐसा आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने आश्वासन दिया. आयुक्त ने दिव्यांगजनों को सभी योजनाओं का लाभ दिलाने और उन्हें आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए एक ही स्थान से सुविधाएं और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' बनाने की आवश्यकता जताई.

इसके अलावा, यह भी स्पष्ट हुआ कि कई दिव्यांगजन मतदाता पहचान पत्र, बैंक खाते और सरकारी योजनाओं से वंचित हैं. दिव्यांगजनों को नगरपालिका और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य है. इसलिए, आयुक्त ने यूडीआईडी कार्ड से वंचित दिव्यांगजनों के कार्ड जल्द से जल्द तैयार करने हेतु 'एसओपी' निर्धारित करने हेतु एक समिति गठित करने के निर्देश दिए. उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अपर आयुक्त की देखरेख में गठित समिति में चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी और दिव्यांग समन्वयक शामिल हों. यूडीआईडी कार्ड तैयार करने के लिए 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों और युवा दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाएगी और राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से यह प्रक्रिया तदनुसार संचालित की जाएगी.

त्योहारों के मद्देनजर नागपुर-मुंबई के बीच विशेष ट्रेन का परिचालन

सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान

राष्ट्रबाण

नागपुर. आगामी त्योहारों के मद्देनजर बढ़ते यात्री प्रवाह को देखते हुए केंद्रीय रेलवे ने नागपुर और मुंबई के बीच एक विशेष साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन चलाने की घोषणा की है. यह कदम यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है. रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह विशेष ट्रेन नागपुर से मुंबई के बीच नियमित ट्रेनों की भीड़ को कम करेगी और यात्रियों को सुरक्षित तथा समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराएगी. विशेष ट्रेन में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिसमें वातानुकूलित और सामान्य श्रेणी के कोच शामिल हैं. रेलवे का कहना है कि विशेष ट्रेन का संचालन मुख्यतः त्योहार के सीजन में यात्री संख्या में असामान्य वृद्धि को ध्यान में रखते हुए किया गया है. इस ट्रेन का संचालन प्रत्येक सप्ताह एक दिन होगा, ताकि यात्रियों को सुविधा हो सके और ट्रेनों में भीड़-भाड़ की समस्या से राहत मिल सके. यात्रियों ने इस पहल की सराहना की है और इसे राहत देने वाला कदम बताया है. मुंबई और नागपुर के बीच यात्रा करने वाले नागरिकों ने बताया कि त्योहारों के समय ट्रेनों में स्थान की समस्या आम होती थी, लेकिन इस विशेष ट्रेन के आने से उनकी परेशानी काफी कम होगी. रेलवे प्रशासन ने भी यात्रियों से अपील की है कि वे समय से अपनी टिकट बुकिंग कर लें और सभी सुरक्षा नियमों का पालन करें ताकि यात्रा सुगम और सुरक्षित बनी रहे.

-शांतनु अग्रवाल

वेतन में भारी अनियमितता का आरोप, लगभग 3,400 कर्मचारियों का मामला

बड़े संकट में पड़े एनएमसी कर्मचारी

नहीं मिल रहा, मध्यस्थों पर भ्रष्टाचार के आरोप

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपायुक्त धर्मपाल मेश्राम ने आरोप लगाया है कि नागपुर नगर निगम (NMC) के लगभग 3,400 आउटसोर्स्ड कर्मचारी पूरा वेतन नहीं पा रहे हैं. मेश्राम ने बताया कि निगम ने इन कर्मचारियों की सही संख्या, उनका पंजीकरण, और नियुक्ति प्रक्रिया की जानकारी देने में नाकामयाबी दिखाई है. उपायुक्त ने यह भी आरोप लगाया कि यह

स्थिति निगम द्वारा मिडलमेन या ठेकेदारों के माध्यम से कर्मचारियों से किए जा रहे भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही है.

जांच में यह सामने आया कि कर्मचारियों का विवरण अधूरा या अस्पष्ट रखा गया है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कई कर्मचारियों को वेतन का पूरा हिस्सा नहीं मिल रहा है. मेश्राम ने निगम से पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और कर्मचारियों के हक की रक्षा हो. उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो आयोग पूरी ताकत से कार्रवाई करेगा. इस मुद्दे ने नगर निगम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां वेतन भुगतान की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी को लेकर कर्मचारियों में भारी नाराजगी व्याप्त है. कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मेहनत के एवज में सही वेतन पाने के हकदार हैं और वे न्याय की पूरी उम्मीद करते हैं. स्थिति को लेकर नागरिक भी चिंतित हैं और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं.

-शांतनु अग्रवाल

23 को नेपच्यून होगा पृथ्वी के सबसे करीब

घटना जानने के लिए उत्सुक रहें

राष्ट्रबाण

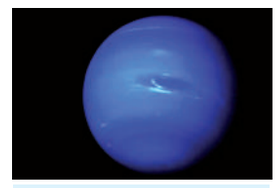

अमरावती. हमारे सौरमंडल का आखिरी ग्रह नेपच्यून 23 सितंबर को पृथ्वी के सबसे करीब आएगा. इसे खगोलीय भाषा में एंटी-कंजंक्शन कहा जाता है. इतना ही नहीं, यह ग्रह सूर्य के भी करीब आएगा. एंटी-कंजंक्शन के दौरान, ग्रहों की पृथ्वी से दूरी सामान्य से कम होती है. इसलिए, खगोलविद इन ग्रहों का ठीक से निरीक्षण कर सकते हैं. चूंकि नेपच्यून ग्रह 23 सितंबर को पृथ्वी के करीब आएगा, इसलिए शहर में खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही और वैज्ञानिकों में उत्सुकता है. कुछ खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही इस दौरान छात्रों को यह ग्रह दिखाने का भी इरादा रखते हैं. नेपच्यून को सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा पूरी करने में 165 साल लगते हैं. साथ ही, यह ग्रह 16 घंटे में अपने चारों ओर एक परिक्रमा पूरी करता है. इस ग्रह की खोज 13 सितंबर, 1846 को जर्मन खगोलविदों गैले और लोवेरिया ने की थी. नेपच्यून के 13 चंद्रमा हैं और यह अपने वायुमंडल में मीथेन गैस के कारण नीला दिखाई देता है. इस ग्रह का व्यास 48 हजार 600 किमी है. इस ग्रह की सतह का तापमान शून्य से 214 डिग्री सेल्सियस नीचे है. 24 अगस्त, 1989 को मानवरहित अंतरिक्ष यान वॉयजर-2 नेपच्यून के करीब से गुजरा था. इस ग्रह की सूर्य से दूरी 452 करोड़ किमी है.

पूरी रात आकाश में एक सुंदर नजारा

अगर बादल छाए रहें, तो 23 सितंबर की पूरी रात दूरबीन से हल्के नीले रंग के ग्रह नेपच्यून को देखा जा सकता है. चूँकि यह ग्रह आकाश में एक छोटे से बिंदु जैसा दिखता है, इसलिए इसे नंगी आँखों से नहीं देखा जा सकता. हालाँकि, मराठी विज्ञान परिषद के अध्यक्ष प्रवीण गुल्हाने और शौकिया खगोलशास्त्री विजय गिरुलकर के अनुसार, चूँकि यह सामान्य से अधिक पृथ्वी के करीब आता है, इसलिए इसे उच्च-गुणवत्ता वाली दूरबीनों से देखा जा सकता है.

पचखेड खुदाई प्रदर्शनी

विदर्भ की प्राचीन सभ्यता का हुआ अनावरण

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग ने ₹पचखेड खुदाई: विदर्भ के प्रारंभिक इतिहास की खोज₹ नामक दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया. यह प्रदर्शनी विदर्भ क्षेत्र के पचखेड गांव में की गई खुदाई में प्राप्त ऐतिहासिक अवशेषों को आम जनता के समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी. पचखेड खुदाई अभियान में लगभग 3,000 वर्ष पुरानी सांस्कृतिक वस्तुएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें लौह युग के चूना भट्टे, कृषि से संबंधित अवशेष, मिट्टी के बर्तन, औजार और सतवाहन कालीन ब्राह्मी शिलालेख प्रमुख हैं. इन अवशेषों से विदर्भ क्षेत्र की प्राचीन सभ्यता और सामाजिक-आर्थिक जीवन की झलक मिलती है.

वामपंथी जनवादी पार्टी ने किया जन सुरक्षा अधिनियम के विरूद्ध आंदोलन

राष्ट्रबाण

नागपुर. 10 सितंबर को महाराष्ट्र में अखिल भारतीय आघाड़ी दलों द्वारा जन सुरक्षा अधिनियम के विरुद्ध व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया. शाम 4 बजे नागपुर के वैरायटी चौक पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया गया. इस कार्यक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भाकपा (माले), रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (सेक्युलर), आम आदमी पार्टी और जमात-ए-इस्लामी ने भाग लिया. कार्यक्रम में बोलते हुए कामरेड अरुण लाटकर ने कहा कि जन सुरक्षा अधिनियम वास्तव में जनविरोधी है. उन्होंने कहा कि इतिहास में शहीदे आजम भगत सिंह ने इसी प्रकार के कानून के विरुद्ध विधानसभा में बम फेंका था और दुर्भाग्य से आज महाराष्ट्र सरकार भी यही कानून लेकर आई है. आम आदमी पार्टी के जगजीत सिंह ने कहा कि इस प्रकार के जनविरोधी विधेयक के विरुद्ध हर व्यक्ति और हर नागरिक को स्कूल जाना चाहिए और सरकार को इस कानून को वापस लेना चाहिए. भाकपा (माले) नेता कामरेड अनिल काले ने कहा कि यह कानून एक खतरनाक कानून है. किसी व्यक्ति पर झूठे मुकदमे दर्ज करके उसे एक साल की कैद हो सकती है. इसका इस्तेमाल सभी प्रकार के जनांदोलनों को दबाने के लिए किया जाएगा. कार्यक्रम के अंत में बोलते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कॉमरेड युगल रेलू ने कहा कि इस कानून के ज़रिए जनता की आवाज़ दबाई गई है. आज सरकार जनता से डरती है और हर सवाल से बचती है. गलत सरकार ने न रोज़गार पैदा किया है, न महिलाओं को सुरक्षा दे पा रही है और न ही किसानों को कोई समस्या है. अपने अध्यक्षीय भाषण में श्याम काले ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि हम जनांदोलन के ज़रिए इस कानून का विरोध घर-घर तक पहुँचाएँगे.

फास्ट ट्रैक

बच्चू कडू की चेतावनी से हड़कंप

अमरावती. यह बात सामने आई है कि निर्माण श्रमिकों के लिए सरकार की उपयोगिता किट वितरण योजना में गंभीर कुप्रबंधन की कमी है. इस किट के लिए मज़दूरों को 16 घंटे कतार में खड़ा होना पड़ रहा है. इससे अमरावती ज़िले के मज़दूरों को भारी आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है. गौरतलब है कि ज़िले के सभी मज़दूरों को केवल नंदगांव खंडेश्वर तालुका के दाभा में बुलाया गया है, जिससे यहाँ अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई है. इस योजना के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करते समय केंद्र चुनने का विकल्प होने के बावजूद, सेंटों का वितरण केवल दाभा में ही हो रहा है.

नेपाल में फंसे अकोला के 10 पर्यटक

राष्ट्रबाण

अकोला. शहर और जिले के 10 पर्यटक नेपाल के काठमांडू और पोखरा में फंसे हुए हैं. इनमें से पोखरा के पाँच पर्यटक अपनी वापसी यात्रा पर निकल चुके हैं और शेष पाँच पर्यटक काठमांडू के एक होटल में ठहरे हुए हैं. जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी संदीप साबले ने बताया कि नेपाल में स्थिति में सुधार हो रहा है और अकोला में सभी पर्यटक सुरक्षित हैं. नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के कारण भारी तनाव का माहौल है. युवाओं के हिंसक आंदोलन के कारण भारतीय पर्यटक फंसे हुए हैं. नेपाल के अधिकांश हिस्सों में आगजनी और तोड़फोड़ जैसी हिंसक घटनाएँ हुईं. हिंसक आंदोलन के कारण नेपाल में सड़क और हवाई यातायात बाधित हुआ. इसके कारण महाराष्ट्र से पर्यटन के लिए गए सभी पर्यटक अलग-अलग जगहों पर फंस गए हैं. राज्य आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ और भारतीय दूतावास फंसे हुए पर्यटकों के संपर्क में हैं. इस बीच, अकोला जिले के 10 पर्यटक नेपाल गए हैं. पर्यटक अकोला से ट्रेन द्वारा वाराणसी पहुँचे. उसके बाद, ये पर्यटक नेपाल चले गए. इनमें अकोला शहर के 7 और जिले के आलेगांव के तीन पर्यटक शामिल हैं. अकोला के गोविंद जाजू, कमल जाजू, सरला जाजू, विजयश्री जाजू और मंगला करवा नामक पांच लोग नेपाल के पोखरा शहर में फंसे हुए थे. ये पांचों पर्यटक गुरुवार को भारत के लिए रवाना हुए. ये जनकपुर पहुँचेंगे. इसके बाद ये पर्यटक बिहार के गया पहुँचेंगे. रामकृष्ण निनाले, सुनील सिंह, सुधाकर वावगे, विजय वीर और अनिल प्रह्लाद राउत काठमांडू के एक होटल में फंसे हुए हैं.

सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह

नेपाल में अस्थिर स्थिति के मद्देनजर, भारतीय दूतावास ने काठमांडू और नेपाल सेना के साथ मिलकर महाराष्ट्र में पर्यटकों और यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है. सभी भारतीय नागरिकों को अपने सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है. वहीं, नेपाल सेना ने राजधानी और प्रमुख शहरों में सुरक्षा व्यवस्था तैनात कर दी है और स्थिति नियंत्रण में है. इंडिगो, एयर इंडिया और नेपाल एयरलाइंस ने काठमांडू हवाई अड्डे पर सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं. उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास और नेपाल सेना के सहयोग से सुरक्षित आवास, भोजन और यात्रा की व्यवस्था की गई है.

उपद्रव जाँच दल द्वारा निरंतर कार्रवाई

गंदगी फैलाने के 61 मामले दर्ज

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर नगर निगम का उपद्रव जाँच दल सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करने, कचरा फेंकने, थूकने और 79 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक बैग का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर रहा है. गुरुवार (दिनांक 11) को जाँच दल ने 61 मामले दर्ज किए और 30,900/- रुपये का जुर्माना वसूला. आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता के अंतर्गत ठेले, स्टॉल, ठेले, फेरीवालों, छोटे सब्जी विक्रेताओं से 22 मामले दर्ज किए गए (400/- रुपये जुर्माना) और 8,800/- रुपये वसूले गए. सड़कों, फुटपाथों, खुले स्थानों पर कचरा फेंकने वाले व्यक्तियों (100/- रुपये जुर्माना) की श्रेणी में 1 मामला दर्ज किया गया और 10,000/- रुपये का जुर्माना वसूला गया. 100/- रुपए वसूले गए. दुकानदारों द्वारा सड़क, फुटपाथ, खुले स्थानों पर कचरा फेंकने (400/- रुपए जुर्माना) की श्रेणी में 7 मामले दर्ज किए गए और 2,800/- रुपए वसूले गए. मंडप, मेहराब, मंच आदि बनाकर या निजी कार्य के लिए यातायात मार्ग को अवरुद्ध करने की श्रेणी में 6 मामले दर्ज किए गए और 7,000/- रुपए वसूले गए. यदि उपरोक्त सूची में अन्य उपद्रवी व्यक्ति नहीं पाए गए, तो 16 मामले दर्ज किए गए और 3,200/- रुपए जुर्माना वसूला गया. यदि उपरोक्त सूची में अन्य उपद्रवी संगठन नहीं पाए गए, तो 9 मामले दर्ज किए गए और 9,000/- रुपए जुर्माना वसूला गया.

पत्नी को लाने गए व्यक्ति की हुई मौत

2 सालियों की थी पिटाई, मामला दर्ज

राष्ट्रबाण

अकोला. एक पति शराब के नशे में धुत होकर 6 महीने से अलग रह रही अपनी पत्नी को लाने गया था. वहां उसने अपनी पत्नी के बारे में पूछने के बाद 2 सालियों की पिटाई शुरू कर दी. आखिरकार, 2 सालियों और उनके बेटे द्वारा पीटे जाने के बाद शराबी दामाद की मौत की एक चौंकाने वाली घटना बुधवार शाम पातुर तहसील के अंबाशी गांव में हुई. पातुर पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज किया है और फरार तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. कांशिवनी निवासी नागेश पैरुजी गोपनारायण (उम्र 40) बुधवार शाम अंबाशी गांव आया था. वह नशे की हालत में यहां रहने वाली अपनी साली के घर गया. उसने अपनी पत्नी के बारे में पूछने के बाद बहस करना शुरू कर दिया, जो पिछले 6 महीने से अलग रह रही थी. इस दौरान उसने दो सालियों की पिटाई शुरू कर दी. यह देख, सालियों में से एक के बेटे ने पास में पड़े लकड़ी के टुकड़े और धारदार हथियार से नागेश गोपनारायण के सिर पर वार किया.

इस घटना से गाँव में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना पातुर पुलिस को दी गई. पातुर पुलिस मौके पर पहुँची. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पूछताछ की गई. घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे. गोपनीय सूचना के आधार पर पातुर पुलिस ने अंबाशी और गाँव के इलाके में आरोपियों की तलाश शुरू की. पुलिस ने बड़ी सावधानी से छिपे हुए आरोपियों की तलाश की. पुलिस ने तीनों आरोपियों सिद्धार्थ शांताराम छोटामल (उम्र 22 वर्ष, निवासी अंबाशी), रेखा शांताराम छोटामल , नंदा दिलीप डोंगरे को हिरासत में लेकर उनसे गहन पूछताछ की.

ब्रॉड गेज परिवर्तन की 'डीपीआर' मंजूर

'शकुंतला' का वनवास खत्म!

राष्ट्रबाण

अमरावती. मुर्तिजापुर, दरियापुर और अचलपुर शहरों को जोड़ने वाली 'शकुंतला' नैरो गेज रेलवे अब ब्रॉड गेज में परिवर्तित हो जाएगी और मध्य रेलवे प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि इस कार्य के लिए 'डीपीआर' (डिप्लॉयमेंट प्रपोज़ल) को मंज़ूरी मिल गई है. इसके साथ ही, शकुंतला रेलवे बचाओ सत्याग्रह समिति द्वारा पिछले सात वर्षों से किए जा रहे संघर्ष को निर्णायक सफलता मिली है. शकुंतला रेलवे बचाओ सत्याग्रह समिति 2018 से लगातार विभिन्न आंदोलनों, भूख हड़तालों और सड़क जाम के माध्यम से शकुंतला रेलवे लाइन के रुके हुए काम की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करती रही है. 'एफएलएस' (फाइनल लोकेशन सर्वे) को 2022 में मंज़ूरी मिली थी, लेकिन 'डीपीआर' की मंज़ूरी न मिलने के कारण परियोजना का काम रुका हुआ था. हालाँकि, समिति ने सातवें वर्ष में भी अपना संघर्ष जारी रखा और उनके अथक प्रयासों को अंततः सफलता मिली. मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठकः समिति के प्रतिनिधि योगेश खानजोड़े, डॉ. राजा धर्माधिकारी, विजय गोंडाचवार और दयाराम चंदेले ने भुसावल में मध्य रेलवे के महाप्रबंधक पुनीत अग्रवाल और मुख्य अभियंता (निर्माण) संदीप सिन्हा से मुलाकात की.

कार्यकर्ताओं के 7 वर्षों के संघर्ष, लगन और अथक प्रयासों से शकुंतला रेलवे की ब्रॉडगेज परियोजना को अब वास्तविक गति मिलेगी. समिति ने विश्वास व्यक्त किया है कि अचलपुर से मूर्तिजापुर खंड के पूरा होने के साथ ही भविष्य में यह पूरी परियोजना पूरी हो जाएगी. इस रेलवे लाइन के चौड़ीकरण के बाद इस मार्ग पर लंबी दूरी की ट्रेनें चलाना संभव हो सकेगा. इसलिए, अगर यह मार्ग जल्द से जल्द पूरा हो जाए, तो विदर्भ के यात्रियों को इसका लाभ मिल सकेगा. ब्रिटिश काल से चली आ रही शकुंतला नैरोगेज रेलवे लाइन पर यातायात पिछले कई वर्षों से बंद है और इस मार्ग को ब्रॉडगेज में बदलने की लंबे समय से मांग चल रही है.

सफलता | मिशन रेबीज़ अभियान के तहत 28 सितंबर तक अभियान चलाएगा

आवारा कुत्तों के लिए टीकाकरण अभियान में तेज़ी

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर नगर निगम द्वारा आवारा कुत्तों की नसबंदी और रेबीज़ निवारक टीकाकरण के लिए चलाए जा रहे 'मिशन रेबीज़' अभियान के तहत 1 सितंबर से 8 सितंबर तक 325 कुत्तों का टीकाकरण किया जा चुका है. इसके परिणामस्वरूप, 'मिशन रेबीज़' पहल को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है. यह टीकाकरण अभियान 28 सितंबर तक जारी रहेगा. नगर आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त आयुक्त वसुमना पंत की देखरेख में शहर में आवारा कुत्तों की नसबंदी और रेबीज़ निवारक टीकाकरण के लिए 'मिशन रेबीज़' पहल का क्रियान्वयन किया जा रहा है. इससे आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी. वर्ल्ड वाइड वेटरनरी सर्विसेज होप, मिशन रेबीज, निर्माण पीपल एंड एनिमल वेलफेयर सोसाइटी, नागपुर द्वारा सामूहिक कुत्ता रेबीज टीकाकरण अभियान 1 सितंबर 2025 से शुरू हो गया है. इस अभियान के लिए वर्ल्ड वाइड वेटरनरी सर्विसेज (WVS) द्वारा टीके के साथ-साथ डॉक्टर और सहायक भी उपलब्ध कराए गए हैं. वहीं, नगर निगम ने कुत्तों के टीकाकरण के लिए वाहन और मानव संसाधन उपलब्ध कराए हैं. पहली बार बड़े पैमाने पर कुत्ता टीकाकरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है. 1 सितंबर से शुरू हुए इस टीकाकरण अभियान में 8 सितंबर 2025 तक 325 कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया जा चुका है. इसके अलावा, नागपुर नगर निगम के क्षेत्रवार क्षेत्राधिकार के क्षेत्र क्रमांक 1 से 10 तक बीमार, दुर्घटनाग्रस्त, कुचले हुए और काटने वाले आवारा कुत्तों के आश्रय के लिए क्षेत्रवार वाहनों की व्यवस्था की गई है. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के अनुसार, इस उद्देश्य के लिए भांडेवाड़ी, गोरेवाड़ा और महाराजबाग में पशु आश्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं और चिकित्सा उपचार के बाद, जानवरों को उनके मूल स्थानों पर वापस छोड़ दिया जाता है. 8 सितंबर तक टीकाकरण की जानकारी दी गई है.

तीन वर्षों में 56 हज़ार 997 कुत्तों का टीकाकरण

शहर में आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए, नागपुर शहर में भांडेवाड़ी, गोरेवाड़ा और महाराजबाग पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए. इन तीनों केंद्रों में, एक गैर-सरकारी संगठन की मदद से पिछले तीन वर्षों से नागपुर महानगर क्षेत्र में कुत्तों की नसबंदी सर्जरी और रेबीज-रोधी टीकाकरण किया जा रहा है. कुल 56,997 कुत्तों का टीकाकरण किया जा चुका है, जिनमें एम. वेट्स फॉर एनिमल्स, सतारा द्वारा भांडेवाड़ी केंद्र में 26,800, एम. कृष्णा सोसाइटी फॉर एनिमल्स, पुणे द्वारा गोरेवाड़ा केंद्र में 22,794 और एम. स्वातंत्र्य एनिमल वेलफेयर सोसाइटी, हैदराबाद द्वारा महाराजबाग केंद्र में 7,403 कुत्ते शामिल हैं. पिछले 3 वर्षों में पशु जन्म नियंत्रण केंद्रों में टीकाकरण की जानकारी भी दी गई है.नगर निगम ने पशु प्रेमियों से रेबीज रोधी टीकाकरण अभियान में भाग लेने की अपील की है. यह गूगल फ़ॉर्म भरना होगा. इसमें आपको अपना नाम, पूरा पता, ज़ोन का नाम, फ़ोन नंबर, ईमेल आईडी, कुत्तों को खाना खिलाने की जगह, उस जगह पर मौजूद कुत्तों की संख्या, रेबीज़ के टीके की स्थिति आदि जानकारी देनी होगी. इसके बाद, नगर निगम के कर्मचारी और एक एनजीओ के डॉक्टर उस जगह पहुँचकर कुत्ते का टीकाकरण करेंगे.

हॉट मिक्स प्लांट का मानसून में भी शानदार प्रदर्शन

पिछले 3 महीनों में 41 हज़ार वर्ग मीटर सड़कों की मरम्मत

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर नगर निगम के हॉट मिक्स प्लांट विभाग ने जून से अगस्त तक 3 महीनों के दौरान शहर की सड़कों की मरम्मत का काम सफलतापूर्वक पूरा किया. नगर आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के मार्गदर्शन में हॉट मिक्स विभाग ने उत्कृष्ट कार्य किया है. इस दौरान शहर की 41 हज़ार 411 वर्ग मीटर सड़कों का डामरीकरण और मरम्मत की गई. इस दौरान हॉट मिक्स प्लांट ने शहर की सड़कों पर पड़े 2114 पत्थरों को हटाने में सफलता प्राप्त की. नागपुर नगर निगम के हॉट मिक्स प्लांट विभाग का हाल ही में आधुनिकीकरण किया गया. इससे प्लांट की कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है. हॉट मिक्स प्लांट के आधुनिकीकरण के अच्छे परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं. मानसून के मौसम में भी हॉट मिक्स प्लांट विभाग ने शहर में सड़कों और गड्ढों को भरने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया. हॉट मिक्स प्लांट के आधुनिकीकरण के बाद, पैचिंग मशीन और अन्य आधुनिक उपकरण वहाँ उपलब्ध होने से सड़कों का पैचवर्क तुरंत किया जा रहा है. जून माह में 15 हजार 345 वर्ग मीटर क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत की गई. साथ ही, जुलाई माह में 11 हजार 709 वर्ग मीटर और अगस्त माह में 14 हजार 356 वर्ग मीटर, कुल 41 हजार 411 वर्ग मीटर सड़क का काम किया गया.

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तापमान. नागपुर, अधिकतम 32.2°C न्यूनतम 24.4°C
नागपुर, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

रिश्वत लेते वन सर्वेक्षक गिरफ्तार

शिकायतकर्ता से मांगे 15 हजार रुपये

वन विभाग कार्यालय में मचा हड़कंप

राष्ट्रबाण

यवतमाल. वन विभाग के एक सर्वेक्षक को एसीबी ने 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है. यह स्टिंग ऑपरेशन एसीबी की टीम ने वन विभाग कार्यालय में किया. इस कार्रवाई के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है. वन सर्वेक्षक सुमित अक्कलवार ने शिकायतकर्ता से सागौन के पेड़ों की कटाई के लिए खेत का सर्वेक्षण करने और तीन खेतों की सीमांकन रिपोर्ट जमा करने के लिए कुल 30,000 रुपये की मांग की, प्रत्येक खेत की कीमत 1000 रुपये थी. 9 तारीख को, जब पंच के समक्ष उसका सत्यापन किया गया, तो अक्कलवार ने सत्यापन के दौरान शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत मांगी और उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हो गया.इसके बाद, 10 सितंबर को, जालसाजी की कार्रवाई के दौरान, अक्कलवार ने पंच के समक्ष 15,000 रुपये की रिश्वत स्वीकार की, और उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया डाकघर, यवतमाल शहर, यवतमाल जिले में चल रही है.

मराठा समुदाय को न्याय प्रदान किया गया

ओबीसी के साथ कोई अन्याय नहीं हुआ

मंत्री का दावा; 5,000 पद सृजित किए जाएंगे

राष्ट्रबाण

अकोला. स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने दावा किया कि राज्य में आरक्षण के मामले में मराठा समुदाय को न्याय दिया जा रहा है, वहीं अन्य ओबीसी समुदायों के साथ कोई अन्याय नहीं होगा. उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में पाँच हज़ार पदों का सृजन किया जाएगा. शिवसेना की संगठनात्मक समीक्षा करने अकोला ज़िले में आए उन्होंने मीडिया से बातचीत की. उन्होंने कहा, मराठा समुदाय को कुनबी समुदाय का प्रमाण पत्र देने में कोई आपत्ति नहीं है. महागठबंधन सरकार का लक्ष्य महाराष्ट्र में सभी जातियों और धर्मों को साथ लेकर काम करना है. मुख्यमंत्री और दोनों मुख्यमंत्री इसी दिशा में काम कर रहे हैं. सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है. मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने बार-बार स्पष्ट किया है कि हम मराठा समुदाय को न्याय दे रहे हैं, लेकिन ओबीसी के साथ कोई अन्याय नहीं होगा. राज्य में शिवसेना के संगठनात्मक निर्माण का काम ज़ोरों पर चल रहा है. संगठन को मज़बूत करने का लक्ष्य रखा गया. स्थानीय निकाय चुनाव पूरी ताकत से लड़े जाएँगे. उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शिवसेना की भूमिका भी स्पष्ट की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों के ख़िलाफ़ आक्रामक कार्रवाई की. इसे पूरी दुनिया ने देखा. यही भूमिका शिवसेना की भी है. उन्होंने कहा कि आतंकवादियों और पाकिस्तान के ख़िलाफ़ शिवसेना का रुख़ शुरू से ही स्पष्ट रहा है. महाराष्ट्र में स्वास्थ्य क्षेत्र में 5,000 पद सृजित करने के प्रयास चल रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि इसकी प्रक्रिया आने वाले महीने में पूरी हो जाएगी.

आवश्यक पदों के सृजन के लिए सकारात्मक

जिले में अस्पतालों के लिए आवश्यक पद स्वीकृति और प्रक्रिया निश्चित रूप से पूरी की जाएगी. आवश्यक सुविधाओं के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी. स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबिटकर ने आज यहां जिला कलेक्टर कार्यालय में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की एक बैठक ली. इस अवसर पर ए.रणधीर सावरकर, ए.प्रकाश भारसाकले, ए.अमोल मिटकरी, जिला कलेक्टर वर्षा मीणा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनीता मेश्राम, पूर्व विधायक गोपीकिशन बाजोरिया आदि उपस्थित थे. जिले में कोई 'ट्रॉमा केयर सेंटर' नहीं है. इसके लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार किया जाए. हम इसे पूरा करने में अवश्य सहयोग करेंगे.

फास्ट ट्रैक

पुलिस के समय पर हस्तक्षेप से हादसा टला

बुलढाणा. राजनीतिक और सामाजिक रूप से संवेदनशील शहर चिखली में देर शाम एक ही धर्म के दो गुट आपस में भिड़ गए. कुछ दिन पहले आयोजित एक रक्तदान शिविर को लेकर दोनों गुट एक-दूसरे का खून बहाने पर उतारू थे. दोनों गुटों के बीच तीखी झड़प भी हुई. घटनास्थल पर भारी तनाव था. हालांकि, थानेदार संग्राम पाटिल के मार्गदर्शन में चिखली पुलिस द्वारा समय पर हस्तक्षेप करने से संभावित भीषण झड़प टल गई. इस मामले में चिखली थाने में दोनों गुटों के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं. इससे चिखली के संवेदनशील बाबू लॉज चौक समेत पूरे शहर में तनाव फैल गया.

आसमान से एक बड़ा सा बर्फ़ का गोला गिरा!

पूरा गाँव उसे देखने आया

वर्धा. बुधवार की सुबह वर्धा जिले के सेलू तालुका के हमदापुर के निवासियों के लिए एक आश्चर्य की बात थी. आसमान से एक विशाल बर्फ का गोला गिरने की खबर जंगल की आग की तरह फैल गई. पूरा गाँव बर्फ का गोला देखने के लिए इकट्ठा हो गया. दिन भर हंगामा नहीं थमा. किसी ने कहा कि यह दो किलोग्राम का ओला था, किसी ने चार किलोग्राम का और किसी ने कहा कि यह आठ किलोग्राम का था. हमदापुर में अंबादास वासनिक के खेत में तीन से चार किलोग्राम ओले गिरे. उसके बाद, गाँव में और शिवारा में बड़े ओले गिरने की खबर जंगल की आग की तरह फैल गई. इसके कारण ग्रामीणों में भय और जिज्ञासा का मिश्रण पैदा हुआ और चर्चा शुरू हो गई. जब बुधवार को भारी बारिश जारी थी, तब वासनिक की बेटी ने वासनिक के खेत में गौशाला के सामने एक विशाल बर्फ का गोला गिरते देखा. उसके बाद, ग्रामीणों की भीड़ उनके खेत में आ गई. विदर्भ आकाश अवलोकन बोर्ड के अध्यक्ष पंकज वंजारे को इस बारे में पता चला. वे गुरुवार को मौके पर पहुंचे और तुरंत महसूस किया कि यह कुछ अलग था. आसमान से इतने बड़े ओले गिरना बहुत कम होता है. इसे 'मेगाक्रायोमेटेओर' कहा जाता है. हालाँकि, घटना के समय वर्धा जिले में इसके लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियाँ मौजूद नहीं थीं. दूसरा प्रकार विमान से बर्फ का ज़मीन पर गिरना है, यानी 'नीली बर्फ'. इस घटना में न तो बड़े ओले गिरे और न ही 'नीली बर्फ'. क्योंकि दोनों ही मामलों में, ओले या बड़ी बर्फ पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण द्वारा ज़मीन की ओर खिंची जाती है और तेज़ गति से ज़मीन की ओर आती है. इसके अलावा, जब यह ज़मीन से टकराती है, तो एक गहरा गड्ढा बनने या उसके छोटे-छोटे टुकड़ों में टूटने की आशंका होती है. हालाँकि, इस मामले में, वहाँ एक सेंटीमीटर से भी कम गहरा गड्ढा पाया गया. इसके अलावा, जब बर्फ को ज़मीन पर गिरते हुए देखने वाले कुछ नागरिकों ने बात की, तो उन्होंने कहा कि ज़मीन पर गिरी बर्फ के टुकड़े भी नहीं हुए. शुरुआती जाँच में पता चला कि बर्फ का गोला छह इंच व्यास का था.

वायरल वीडियो में कथित ओले को देखने के बाद, जिसमें दावा किया गया है कि यह एक बड़ा ओला था, इसका आकार प्राकृतिक ओले जैसा नहीं लग रहा है. विदर्भ आकाश प्रेक्षण बोर्ड के अध्यक्ष पंकज वंजारे ने बताया कि घटनास्थल पर लगभग एक घंटा बिताने और ओले देखने वाले कुछ लोगों से बातचीत करने के बाद, हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि ओले आसमान से नहीं गिरे थे.

भाजपा नेता अनिल बोंडे का ठाकरे गुट पर हमला

वह तो उपद्रव ही मचाएंगे

राजनीति के लिए राष्ट्रहित से खिलवाड़ करना उचित नहीं

राष्ट्रबाण

अमरावती. वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक अनिल बोंडे ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध कर रहे ठाकरे गुट की कड़ी आलोचना की है. उन्होंने कहा कि उबाठा उपद्रव ही मचाने वाले हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट क्या कहता है, यह ध्यान रखना ज़रूरी है. ठाकरे गुट के आंदोलन की आलोचना करते हुए बोंडे ने कहा, “अगर आप परेशानी पैदा करना चाहते हैं, तो देश की सीमा पर करें. यह कोई सीधा भारत-पाकिस्तान मैच नहीं है, यह एशिया कप है.
अगर पाकिस्तान आता है, तो वह मैच खेलना ही होगा. उबाठा जिस कांग्रेस के साथ बैठते हैं, उसने पाकिस्तान के खिलाफ कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया. 26/11 के हमले में 150 नागरिक मारे गए थे, फिर भी सिर्फ़ विरोध प्रदर्शन हुए.”बोंडे ने कहा, “ऐसे समय में देश के प्रधानमंत्री के साथ मजबूती से खड़ा होना हर देशभक्त नागरिक की ज़िम्मेदारी है. राजनीति के लिए राष्ट्रहित से खिलवाड़ करना उचित नहीं है.” भाजपा नेता के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है और अब ठाकरे गुट की प्रतिक्रिया पर सबकी नज़र है.

गोरसेना ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद गजट को गोरबंजारा समुदाय के लिए लागू करें

राष्ट्रबाण

अकोला. महाराष्ट्र में गोरबंजारा समुदाय के साथ 'एसटी' आरक्षण को लेकर घोर अन्याय हुआ है. पिछले कुछ दिनों में, सरकार ने मराठा समुदाय के लिए 'हैदराबाद गजट' लागू करने का निर्णय लिया है. इसी के तहत, गोरसेना ने वाशिम में आक्रामक रुख अपनाते हुए मांग की है कि हैदराबाद गजट को महाराष्ट्र में गोरबंजारा समुदाय के लिए लागू किया जाए और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण दिया जाए. जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक ज्ञापन सौंपा गया. समुदाय को न्याय दिलाने के लिए, बापट आयोग, इधाते आयोग, भाटिया आयोग, डीएनटी, एसटी आयोग ने गोरबंजारा समुदाय को अनुसूचित जनजाति आरक्षण देने के संबंध में सकारात्मक सिफारिशें कीं, लेकिन उन्हें यह नहीं दिया गया.

गोरसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. संदेश चव्हाण के नेतृत्व में 10 सितंबर को पूरे महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपे गए. ज्ञापन के अनुसार, निज़ाम के प्रांत के 'हैदराबाद गजट' में 1901 से 1948 तक गोरबंजारा, लंबाडा, लामन जातियों को जनजातियों के रूप में दर्ज किया गया था और तदनुसार, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में इस समुदाय को अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण प्राप्त हुआ है.हालाँकि, 1948 के बाद, राज्य पुनर्गठन के दौरान, विदर्भ और खानदेश के साथ मराठवाड़ा को महाराष्ट्र में शामिल किए जाने के कारण, अनुसूचित जनजातियों का मूल आरक्षण समाप्त कर दिया गया और उन्हें मुक्त जातियों की श्रेणी में परिवर्तित कर दिया गया. महाराष्ट्र में गोरबंजारा समुदाय के 1950 से पहले अनुसूचित जनजाति होने के दुर्लभ प्रमाण मिलते हैं और इसका उल्लेख 'हैदराबाद गजट' में भी मिलता है.

गणेशोत्सव मंडलों के बीच विवाद में चाकूबाजी

एक घायल, आरोपी फरार

राष्ट्रबाण

अमरावती. शहर के हमालपुरा इलाके में दो गणेशोत्सव मंडलों के बीच हुई बहस चाकूबाजी में बदल गई. मंगलवार देर रात हुई इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और हमलावर फरार हो गए. इस घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया है और नागरिक सड़कों पर उतरकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार, जय श्री कृष्ण गणेशोत्सव मंडल और तानाजी गणेशोत्सव मंडल का गणपति विसर्जन जुलूस हमालपुरा इलाके से गुजर रहा था. इसी दौरान, जब जुलूस बलवीर गणेशोत्सव मंडल के मंडप के सामने चल रहा था, तभी तेज आवाज में बैंड बजने लगा और गुलाल उड़ाया जाने लगा. उसी समय बलवीर गणेशोत्सव मंडल की लाइटें अचानक बुझ गईं.

इस घटना से गुस्साए बलवीर मंडल के कार्यकर्ताओं ने जय श्री कृष्ण मंडल के सदस्यों को धक्का देकर भगा दिया. देखते ही देखते यह मामूली विवाद मारपीट में बदल गया. मामला बिगड़ते ही कुछ युवकों ने अचानक चाकू निकालकर जय श्री कृष्ण मंडल के कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया. हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को तुरंत सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका इलाज चल रहा है. घटना के बाद आरोपी फरार हो गए और उनकी तलाश जारी है. चाकूबाजी की खबर मिलते ही इलाके के लोग आक्रोशित हो गए और बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए. उन्होंने आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की पुरजोर मांग की.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को नियंत्रण में किया. पुलिस ने बताया कि राजापेठ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और हमलावरों की तलाश जारी है.

मामला | प्रतियोगी परीक्षा समन्वय समिति ने जताई आपत्ति

अनुकंपा के आधार पर भरे जाएंगे 10,000 पद

राष्ट्रबाण

अमरावती. राज्य सरकार की भर्ती प्रक्रिया में उपेक्षित अनुकंपा भर्ती के बैकलॉग को भरने के लिए सरकार ने विभिन्न विभागों में लगभग 10,000 पदों को भरने का निर्णय लिया है. हालाँकि, प्रतियोगी परीक्षा समन्वय समिति ने सरकार के इस निर्णय पर आपत्ति जताई है.
यदि किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु हो जाती है, तो सरकार को उस परिवार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए, लेकिन हमें अपनी लाखों की नौकरी मुफ्त में क्यों देनी चाहिए?, प्रतियोगी परीक्षा समन्वय समिति ने पूछा है. इसके साथ ही, समिति ने सरकार से इस संबंध में जल्द से जल्द निर्णय की घोषणा करने का भी अनुरोध किया है. राज्य भर में लगभग 9,658 रिक्त पद हैं, जिनमें से सभी को भरा जाएगा. चूँकि राज्य के इतिहास में यह पहली बार है कि इतने बड़े पैमाने पर अनुकंपा के आधार पर भर्ती की जा रही है, इसलिए प्रतीक्षारत लगभग दस हज़ार उम्मीदवारों को बड़ी राहत मिलेगी.
विशेष रूप से, इस बार चतुर्थ श्रेणी के पद भी भरे जाएँगे. अब तक, इस श्रेणी के अधिकांश पद निजी ठेकेदारों के माध्यम से भरे जाते थे. हालाँकि, अब अनुकंपा के आधार पर पदों का आवंटन सीधे पात्र उत्तराधिकारियों को किया जाएगा. इससे कई परिवारों को आर्थिक स्थिरता और नौकरी की सुरक्षा मिलेगी. यह नियुक्ति प्रक्रिया जिला प्रशासन की देखरेख में की जाएगी. यह भर्ती 15 सितंबर, 2025 से जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में शुरू होगी. इसके साथ ही, सरकार ने इस प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण सुधार करने का निर्णय लिया है. इससे मृतक सरकारी कर्मचारियों के परिवारों को आवेदन से लेकर नियुक्ति तक आने वाली कठिनाइयों में कमी आएगी.

अनुकंपा नीति क्या है?

- अनुकंपा नीति 1973 से लागू है और राज्य में सरकारी और अर्ध-सरकारी संगठनों में कार्यरत किसी कर्मचारी की सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर, परिवार के पात्र उत्तराधिकारी को उस विभाग में नौकरी देने का प्रावधान करती है.
- समय के साथ, इस नीति में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं. यह नीति मुख्य रूप से ग्रुप-सी (लिपिकीय) और ग्रुप-डी (चतुर्थ श्रेणी) के पदों के लिए लागू है. इससे उत्तराधिकारियों को आर्थिक सहायता और स्थिरता के साथ परिवार चलाने की ज़िम्मेदारी निभाना आसान हो जाता है.
- सभी रिक्त पदों को अनुकंपा के आधार पर भरने के सरकार के फैसले से लगभग दस हज़ार परिवारों का सपना साकार होगा.
- उम्मीद है कि यह भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, तेज़ और परिवारों के लिए निष्पक्ष होगी. हालाँकि, प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों के संगठन ने इस पर आपत्ति जताई है.

बांधों में जल भंडारण में भारी वृद्धि, अपर वर्धा 96.75% तक भरा

राष्ट्रबाण

अमरावती. अमरावती जिले में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण जिले की प्रमुख जल परियोजनाओं में जल भंडारण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. वर्तमान में, जिले की 56 जल परियोजनाओं का कुल औसत जल भंडारण 85% है, जो किसानों के लिए एक सुखद स्थिति है. पश्चिमी विदर्भ के सबसे बड़े अपर वर्धा बांध में वर्तमान में 96.75% जल संग्रहण है. इसके अलावा, अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भी संतोषजनक जल संग्रहणः शहाणूर – 89%, चंद्रभागा – 95%, पूर्णा – 81%, सपन – 88% है. अनुमान है कि यह जलाशय आगामी रबी सीजन के लिए पर्याप्त सिंचाई प्रदान करेगा और किसानों को अपनी फसलों के लिए समय पर आवश्यक पानी उपलब्ध होगा. प्रशासन जलाशय के प्रबंधन के लिए भी उचित उपाय लागू कर रहा है और यदि भविष्य में भी वर्षा जारी रही तो और भी सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है.

रश्मि शुक्ला के खिलाफ मानहानि का मुकदमा खारिज

फोन टैपिंग का मामला

राष्ट्रबाण

नागपुर. राज्य की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला के खिलाफ पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे को अदालत ने खारिज कर दिया है. वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश आनंद मुंडे ने यह फैसला सुनाया. पटोले ने 500 करोड़ रुपये का दावा किया था. यह दावा पुणे के बहुचर्चित फोन टैपिंग मामले से जुड़ा था.

विवादास्पद फोन टैपिंग 2017-18 में हुई थी जब रश्मि शुक्ला पुणे पुलिस आयुक्त थीं. जाँच समिति की रिपोर्ट के अनुसार, अपराध शाखा की पुलिस निरीक्षक वैशाली चांदगुडे ने 25 फरवरी, 2022 को बंडगार्डन पुलिस स्टेशन में शुक्ला और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. रश्मि शुक्ला ने इस मानहानि के मुकदमे को प्रारंभिक चरण में ही रद्द करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश-7/नियम-11 के तहत एक आवेदन दायर किया था. अदालत ने उस आवेदन को स्वीकार कर लिया. पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों के कारण मानहानि का मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता. साथ ही, शिकायत में पटोले के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया था. वह शिकायत पटोले के खिलाफ नहीं है. इसके अलावा, संबंधित एफआईआर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है. सिविल कोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए इन मुद्दों पर विचार किया. शुक्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र चव्हाण और पटोले की ओर से अधिवक्ता ए. आर. पटने पेश हुए.

नागपुर शहर में ठप पड़े अधिकांश CCTV कैमरे

सुरक्षा व्यवस्था पर खतरे की घंटी

राष्ट्रबाण

नागपुर. शहर की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए सीओसी के सीसीटीवी कैमरे ज्यादातर बंद पड़े हैं. इसी का नतीजा बुधवार रात कड़वी चौक पर उस समय सामने आया, जब बदमाशों ने एक व्यापारी को गोली मारकर 50 लाख रुपये लूट लिए. वारदात के बाद जब पुलिस ने जांच शुरू की, तो पता चला कि घटनास्थल के आसपास करीब 80 प्रतिशत कैमरे काम ही नहीं कर रहे थे. बुधवार देर रात कड़वी चौक पर व्यापारी राजू दीपनी पर बदमाशों ने फायरिंग की और उनके पास मौजूद 50 लाख रुपये लूट लिए. गोली लगने से घायल राजू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. लेकिन इस सनसनीखेज वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी. पुलिस जांच में सामने आया कि कामठी रोड पर लगे करीब 80 प्रतिशत सीसीटीवी कैमरे बंद थे. अपराधियों ने इसी का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम

आखिर कौन देगा सुरक्षा की गारंटी?

फिलहाल प्रशासन का कहना है कि कैमरों की अस्थायी मरम्मत जारी है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक तय नहीं हो पाया है. सवाल ये है कि जब करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहर की तीसरी आंख बंद पड़ी हो, तो नागपुर के नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी आखिर कौन देगा?

पुलिस खबरियों और गुप्त सूचना पर ही निर्भर

शहर की सुरक्षा के लिए 3600 कैमरे लगाए गए थे, लेकिन इनमें से ज्यादातर काम नहीं कर रहे. इससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं. पुलिस को अब अपने खबरियों और गुप्त सूचना पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है. शहर में विकास कार्यों के चलते बड़ी संख्या में कैमरे ठप हो गए हैं. हालांकि खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पालक मंत्री ने नाराज़गी जताते हुए पुरानी कंपनी एलएंडटी को हटाकर नई कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी, लेकिन हालात सुधरने की बजाय और बिगड़ते जा रहे हैं.

ओबीसी समाज के नेताओं की बैठक

तायवाड़े को नहीं मिला आने का संदेश

कहा - नहीं रहूँगा उपस्थित

राष्ट्रबाण

नागपुर. ओबीसी समाज के नेताओं की बैठक को लेकर राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के अध्यक्ष बबनराव तायवाड़े ने कहा कि उन्हें गुरुवार को होने वाली बैठक के बारे, उसके विषयों के बारे कोई जानकारी नहीं है, न उन्हें इस बैठक में आने के लिए निमंत्रण मिला है. तायवाड़े ने कहा, "मुझे कोई संदेश नहीं मिला है. आज बैठक होने वाली है. मुझे नहीं पता कि बैठक में किन विषयों पर चर्चा होगी, इसलिए मैं बैठक में उपस्थित नहीं रहूँगा." बबनराव तायवाड़े ने इस मुद्दे पर बात करतें हुए कहा, "60 प्रतिशत ओबीसी समुदाय और उनके हितों की रक्षा के लिए कई नेता होने चाहिए. आंदोलन का रुख़ घोषित करते समय किन मुद्दों पर असमंजस की स्थिति बनती है, यह स्पष्ट होना चाहिए. यह मार्च किस उद्देश्य से निकाला जा रहा है, यह पता होना चाहिए. हम अपने पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे, अध्ययन करेंगे और अगर कुछ बातों पर सहमति बनी तो हम मार्च में शामिल होंगे." उन्होंने कहा, "हम ओबीसी समुदाय के कल्याण के लिए लड़ रहे हैं, इसलिए सरकार ने ओबीसी छात्रों और युवाओं के कल्याण के लिए 58 जीआर निकाला है. मुझे खुशी है कि मैंने सरकार के सामने जो माँगें रखीं, उन सभी पर उप-समिति में चर्चा हुई. वे सभी माँगें सही हैं, इसलिए इन सभी मांगों का समर्थन किया गया. हम इन सभी माँगों को जल्द से जल्द मंज़ूरी दिलाएँगे."

फास्ट ट्रैक

महिला आयोग आपके द्वार' 18 को

नागपुर. महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग गुरुवार, 18 सितंबर, को सुबह 11 बजे जिला योजना भवन, नागपुर में 'महिला आयोग आपके द्वार' पहल के तहत नागपुर जिले में शिकायतों की जनसुनवाई करेगा. आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर शिकायतों की सुनवाई करेंगी. आयोग ने जिले की पीड़ित और पीड़ित महिलाओं से आगे आकर इस जनसुनवाई का लाभ उठाने की अपील की है. राज्य के सभी कोनों से महिलाओं के लिए आर्थिक और अन्य कारणों से शिकायत करने और सुनवाई के लिए शारीरिक रूप से उपस्थित होना संभव नहीं है.

देश के शीर्ष शहरों की सूची में शामिल नहीं हो सका

नागपुर की वायु गुणवत्ता में सुधार

फिर भी टॉप रैंक नहीं मिला

राष्ट्रबाण

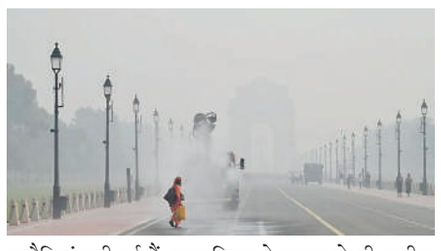

नागपुर. पिछले कुछ महीनों में नागपुर में वायु गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है. हालिया सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में सुधार के बावजूद नागपुर राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष रैंक हासिल नहीं कर सका. विशेषज्ञों ने बताया कि हाल ही में चलाए गए विभिन्न प्रदूषण नियंत्रण उपायों और सफाई अभियानों के कारण वायु में प्रदूषकों की मात्रा में कमी आई है. यातायात प्रबंधन प्रणाली में सुधार, निर्माण स्थलों पर कड़ी निगरानी और हरित क्षेत्र के विस्तार से वायु की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. हालांकि, वैज्ञानिकों ने यह भी चेतावनी दी है कि वायु गुणवत्ता में सुधार स्थायी बनाने के लिए लगातार प्रयास और कड़े नियमों का पालन जरूरी है. औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले प्रदूषण, वाहन उत्सर्जन, और निर्माण स्थलों से धूल नियंत्रण को लेकर अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं. नगर निगम ने जनता से भी अपील की है कि वे वाहन उपयोग में संयम बरतें, कूड़ा-कचरा न जलाएं और हरित क्षेत्र बढ़ाने में सहयोग दें.अधिकारियों ने कहा कि सरकार समय-समय पर वायु गुणवत्ता पर नजर रखेगी और आवश्यक कदम उठाएगी. नगरवासियों ने इस सुधार पर संतोष व्यक्त किया है, लेकिन उनका कहना है कि शहर को स्वच्छ वायु की दिशा में और भी तेज़ी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि नागपुर देश के स्वच्छतम शहरों की सूची में शामिल हो सके.

-शांतनु अग्रवाल

IIFL फाईनेंस गोल्ड लोन करेगा आपके सपने पूरे

राष्ट्रबाण

नागपुर. आईआईएफएल का मूल सिद्धांत है, ''सपना आपका, गोल्ड लोन हमारा''. अपने इसी विश्वास के साथ आईआईएफएल फाईनेंस लाखों भारतीयों का भरोसेमंद ग्रोथ पार्टनर है. नए भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली एमए-सएमई की महत्वाकांक्षाओं और लोगों के सपनों को पूरा करने के उद्देश्य से आईआईएफएल फाईनेंस उन्हें सुलभ वित्तीय समाधान प्रदान करके विकास की यात्रा में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है.

आईआईएफएल फाईनेंस गोल्ड लोन एक सरल व पारदर्शी प्रक्रिया द्वारा तुरंत वित्तीय सहायता प्रदान करता है. ग्राहकों को कम से कम दस्तावेजों द्वारा उसी दिन फंड प्राप्त हो जाता है. यह लोन बहुत आकर्षक और किफायती मूल्य पर दिया जाता है. लोन की वापसी भी लोगों की व्यक्तिगत वित्तीय जरूरतों के अनुरूप बहुत सुविधाजनक तरीके से की जा सकती है. अपने गोल्ड को गिरवी रखकर ग्राहक अपनी व्यक्तिगत, व्यवसायिक और व्यापारिक जरूरतों को पूरा कर सकते हैं. वो शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए फंड प्राप्त कर सकते हैं. अपने छोटे व्यवसायों का विस्तार कर सकते हैं. इससे एमएसएमई को अपने विकास में मदद मिलती है. मनीष मयंक, बिज़नेस हेड, आईआईए-फएल फाईनेंस गोल्ड लोन ने कहा कि आईआई-एफएल फाईनेंस का मार्गदर्शक सिद्धांत ''सीधी बात'' है. यह अपने हर लेन-देन में पूरी पारदर्शिता रखता है. इसकी पूरी प्रक्रिया को ग्राहकों की सुविधा के अनुरूप बनाया गया है.''

भारत में आईआईएफएल फाईनेंस की 2800 से अधिक शाखाएं हैं, जो 1500 से शहरों में स्थित हैं. ये शाखाएं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करती हैं. इस कंपनी में 80 लाख से अधिक ग्राहक विश्वास करते हैं, जो आईआईएफएल फाईनेंस की पारदर्शी प्रक्रियाओं और ग्राहक पर केंद्रित दृष्टिकोण का प्रमाण है. एक मजबूत भारत के निर्माण में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका को आईआईएफएल फाईनेंस समझता है. इसलिए कंपनी तीव्र उपलब्धता, पारदर्शी शर्तों और भुगतान के लचीले विकल्पों के साथ एमएसएमई्ज को गोल्ड लोन प्रदान करती है. आईआईएफएल फाईनेंस छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को बहुत तेजी से विस्तार करने और देश की प्रगति में अपना योगदान देने में समर्थ बनाता है.

नागपूर- अमरावती
राष्ट्रीय महामार्ग क्र. 53 वर
बोले पेट्रोल पंप चौक ते
नागपूर विद्यापीठ परिसर चौक दरम्यान
चार पदरी उड्डाणपुलाचा
लोकार्पण समारंभ

लांबी : 2.85 कि. मी. । किंमत : ₹ 191 कोटी

शुभहस्ते
मा. ना. श्री. नितीनजी गडकरी
केंद्रीय मंत्री, रस्ते परिवहन, महामार्ग विभाग भारत सरकार

अध्यक्ष
मा. ना. श्री. देवेंद्रजी फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य

विशेष अतिथी
मा. ना. श्री. चंद्रशेखरजी बावनकुळे
महसूल मंत्री, महाराष्ट्र राज्य

दिनांक : शुक्रवार, 12 सप्टेंबर 2025 । वेळ : सायं. 5.00 वाजता
स्थळ : बोले पेट्रोल पंप चौक, अमरावती रोड, नागपूर

प्रमुख उपस्थिती

श्री. दयाशंकर तिवारी, मा. अध्यक्ष, भाजपा नागपूर
श्री. दत्ता मेघे, मा. माजी खासदार
डॉ. विकास महात्मे, मा. माजी खासदार (राज्यसभा)
श्री अजय संचेती, मा. माजी खासदार (राज्यसभा)
श्री. कृष्णा खोपडे, मा. आमदार
श्री. मोहन मते, मा. आमदार
श्री. प्रविण दटके, मा. आमदार
श्री. संदीप जोशी, मा. आमदार
श्री समीर मेघे, मा. आमदार
डॉ. परिणय फुके, मा. आमदार
श्री. विकास कुंभारे, मा. माजी आमदार
श्री. नागो गाणार, मा. माजी आमदार
प्रा. अनिल सोले, मा. माजी आमदार
श्री. गिरीश व्यास, मा. माजी आमदार
श्री. सुधाकर देशमुख, मा. माजी आमदार
श्री. सुधाकर कोहळे, मा. माजी आमदार
श्री. नाना शामकुळे, मा. माजी आमदार
श्री. अशोक मानकर, मा. माजी आमदार
डॉ. मिलींद माने, मा. माजी आमदार

श्री. श्रीकांत आगलावे, शहर महामंत्री | श्री. रितेश गावंडे , शहर महामंत्री | श्री. संदीप जाधव, शहर महामंत्री | सौ. मनिषा धावडे, शहर महामंत्री | श्री. विष्णू चांगदे, संपर्क मंत्री

मंडळ अध्यक्ष । पूर्व नागपूर : वर्धमान नगर : राजेश ठाकुर, वाठोडा : राजेन्द्र गोतमारे, पारडी : प्रदिप पोहाणे । पश्चिम नागपूर : झींगाबाई टाकळी : अमर खोडे, धरमपेठ : विनय दाणी, सुरेन्द्र गड : विनोद बघेल
उत्तर नागपूर : नारा नारी : संजय चौधरी, कळमना : शेषराव गोतमारे, वैशाली नगर : अमित पांडे, बाळाभाऊ पेठ -इंदोरा : ओमप्रकाश इंगळे । दक्षिण नागपूर : जानकी मंडळ : शशांक खेकरे, हनुमान मंडळ : किरण दातीर, अयोध्या मंडळ : प्रकाश यादव
दक्षिण पश्चिम नागपूर : त्रिमुर्ती नगर : ईश्वर ढेंगळे, नरेन्द्र नगर : महेन्द्र भूगावकर, धंतोली : विनोद शिंदे, सुभाष नगर : दिलीप दिवे । मध्य नागपूर : गांधीबाग मंडळ : ॲड. संजय बालपांडे, इतवारी मंडळ : श्याम चांदेकर, महाल मंडळ : अनिल मानापूरे

आपण सर्व सादर आमंत्रित आहात..! स्वागतोत्सुक : सर्व पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण भारतीय जनता पार्टी, नागपूर महानगर